अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल–मे 2024

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : तबला / पखावज

दि. 21/04/2024 समय : दोपहर 2 से 5 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : 1) प्रश्न क्र. 4 अनिवार्य है ।
2) अन्य प्रश्नों में चार प्रश्न हल करे ।
3) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र.1. अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। (05)

1) प्रख्यात पखावज वादक कलाकार है ---------- ।
अ) उ.अमीर हुसेन खाँ
ब) पं.माधवराव अलगुटकर
क) पं.खाप्रुमाम पर्वतकर

2) रुपक / तेवरा की देडगुन आवर्तन में एकही बार बोलकर सम पर आने हेतु ---------- मात्रा के बाद शुरु होगी ।
अ) $2\frac{1}{3}$ ब) $4\frac{2}{3}$ क) $3\frac{1}{3}$

3) रियाज की 'चिल्ला पद्धत' ---------- घराने की देन है ।
अ) नाथद्वार ब) पंजाब क) फरुखाबाद

4) तबला / पखावज वादन कला में ---------- यह एक महत्त्वपूण सौंदर्यतत्व हैं ।
अ) बनावट ब) पढंत क) बाज

5) ------- मात्रा दर्शाने हेतु पं.पलुस्कर तालिपि में चिन्ह नहीं है ।
अ) 1/4 ब) 3/2 क) 1/7

ब) योग्य जोडियाँ लगाइए। **(05)**

गायन प्रकार	ताल
1. टप्पा	अ) टप्पा
2. ठुमरी	ब) दादरा
3. दादरा	क) तिलवाडा
4. ख्याल	ड) धुमाळी
5. भजन	इ) दिपचंदी

क) सही / गलत बतायें । **(05)**

1) पखावज वादन में 'कायदा' एक प्रमुख विस्तारक्षम रचना बजायी जाती हैं।

2) पं.भातखंडे ताललिपि में एक मात्रा में एक अक्षर / बोल लिखने हेतु कोई चिन्ह नहीं हैं।

3) अणुद्रुत लय में सतार वादन में 'झाला' प्रस्तुति की जाती है।

4) 15 मात्रा में बजायी जानेवाली चतुस्त्र जाति रचना 12 मात्रा की ताल में तिस्त्र जाति हो जाती है।

5) काली 5 का मध्यम स्वर काली 2 होता है।

प्र.2. तबला / पखावज वादन में 'बायाँ' का महत्त्व स्पष्ट करें तथा रियाज हेतु बायाँप्रधान दो अलग-अलग रचनाप्रकार लिपिबद्ध करें। **(10+5=15)**

प्र.3. अपने वाद्य की 'बनावट एवं बाज' के बारे में विस्तृतता से लिखकर वाद्य के विकास में हुआ उसका परिणाम विशद करें। **(8+7=15)**

प्र.4. सूचना अनुसार लिपिबद्ध करें। (कोई 3) **(5x3=15)**

1) 12 मात्रा की ताल में एक तिस्र जाति तिहाई। (सम सें सम तक)
2) एकताल / चौताल की तिगुन व चौगुन (पं.पलुस्कर तालिपि में)
3) 10/15 मात्रा की ताल में पेशकार। (3 पलटे और तिहाई के साथ)
4) झपताल / सूलताल की कुआड–आवर्तन में एक ही बार।
5) किसी भी ताल में एक नौहक्का तिहाई।

प्र.5. तबला / पखावज के सभी घरानों के नाम तथा उनके संस्थापकों के नाम लिखिए। **(5+8+2=15)**

किसी भी एक घराने की संपूर्ण जानकारी लिखकर उस घरानें की एक रचना (बंदिश) को पूर्णरुप से लिपिबद्ध करें।

प्र.6. तबला / पखावज वादन में रियाज की विविध पद्धतियों के नाम बताकर 'आदर्श रियाज पध्दति' के बारे में अपने विचार विस्तृत में स्वरुप लिखिए। **(10+5=15)**

'तिरकिट', 'तीट', 'धीरधीर', 'धीनगिन', 'धात्रकधिकीट', इन बोलों के रियाज हेतु एक–एक आदर्श बोलपंक्ति लिपिबद्ध कीजिए।

प्र.7. निम्नलिखित वादक कलाकारों का संपूर्ण जीवन परिचय तथा सांगीतिक योगदान लिखिए। उन कलाकार द्वारा रचित एक बंदिश को लिपिबद्ध करें तथा उनके दो प्रमुख शिष्यों के नाम भी लिखिए। **(10+3+2=15)**

तबला के विद्यार्थी– उ.मुनीर खाँ / उ.शलारी खाँ
पखावज के विद्यार्थी– पं.सखारामजी गुरव / पं.पुरुषोत्तम दास

Exam : Visharad Pratham (Second Paper)

Subject : Tabala - Pakhavaj

Date : 21/04/2024 Timing : 2 pm to 5 pm Total Marks - 75

Note : 1) Questing 4 is compulsary.
2) Solve any 4 questions from the remaining questions.
3) All question carries equal marks.

Q.1. A) Choose the correct answer and fill in the gaps. **(05)**

1) ..... is the famous Artist of Pakhawaj.
1) Ur.Amir Hussain Khan
2) Pt. Madhavrao Algutkar
3) Pd.Khaprumam Parvatkar

2) Rupak / Tivra receieted only once in Dedhaguna - Aavartana and ends of Sam "Starts from ..... Matra.
1) $2\frac{1}{3}$ 2) $4\frac{2}{3}$ 3) $3\frac{1}{3}$

3) "Chilla" type of Riyaj is of ..... Gharana.
1) Nathadwar 2) Punjab 3) Farukhabada

4) ..... beauty aspect is important in Tabala/Pakhwaj playing style.
1) Banavat 2) Padhanta 3) Baaj

5) There is no symbol in Pt.Paluskar Notation System for denoting ..... Matra.
1) 1/4 2) 3/2 3) 1/7

B) Match the pairs. **(05)**

Type of Gayan	Tala
1) Tappa	1) Tappa
2) Thumari	2) Dadra
3) Dadra	3) Tilwada
4) Khayal	4) Dhumali
5) Bhajan	5) Deepachandi

C) Right or Wrong. **(05)**

1) "Kayada" is expanded concept in Pakhawaj palying.
2) In Pt.Bhatkhande Notation System there is no symbol for writing One Akshar / Bol in the one Matra.
3) "Zhala" is presented in Anudrut Laya on Satar.
4) "Chatushra" Jati rachna played in 15 Matra's, becomes Tishra Jati in 12 matra's.
5) The Madhyama Swara of Black 5 is Black 2.

Q.2. **Describe the importance of "Bayan" in Tabala / Pakhawaj and also write two different compositions for Riyaj on Bayan.** **(10+5=15)**

Q.3. **Write about the "Structure and Style of Playing" of your Instrument (Banavat and Baaj) and explain the developed progress of the instrument.** **(8+7=15)**

Q.4. **Write Notation for the following.** **(5x3=15)**

1) One Tishra Jati Tihai in 12 Matra (From Sama to Sama)
2) Tiguna and Chouguna of Ektala / Choutala. (Pt. Paluskar Notation System)
3) Peshkar in 10/15 matra Tala (with three Palte and Tihai)
4) Kuaad of Zhapatala / Sulatala (once in a Aavartana)
5) One "Nouhakka Tihai" in any Tala.

Q.5. **Write all the names of Tabala / Pakhawaj "Gharana's" and also write the names of the founder of the Gharana's. Also give complete information of any one "Gharana" and write one "Bandish" in same "Gharana" in "Notation System."** **(5+8+2=15)**

Q.6. **Write various names of Tabala / Pakhawaj "Riyaj" systems, and also write in brief your own thought / views on "Ideal" Riyaj System.** (10+5=15)
Tirkita, Tita, Dhir-Dhir, Dhina Gina, Dhatrak Dhikita for these Bol practice write one-one Bolapankti in Notation System.

Q.7. **Write Biography for the following Artists, there complete Introduction work contribution for Music, and write notation for a "Bandish" composed by the respected Artist, and also write two names of their students)** (10+3+2=15)

1) Tabala Students –
1) Ut.Munirkhan / Ut.Shalari Khan

2) Pakhawaj Students –
1) Pt.Sakharamji Gurav 2) Pt. Purushottam Das